Code—25

हिन्दी और हिन्दी निबन्ध

Time Allowed : 3 Hours *Maximum Marks* : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए ।

1. हिन्दी में अनुवाद कीजिए : **(15)**

Unlike the carefully weighted and planned compositions of Dante, Goethe's writings have always the sense of immediacy and enthusiasm. He was a constant experimenter with life, with ideas, and with forms of writing for the same reason, his works seldom have the qualities of finish or formal beauty which distinguish the masterpieces of Dante and Virgil. He came to love the beauties of classicism but these were never an essential part of his make-up. Instead, the urgency of the moment, the spirit of the thing, guided his pen. As a result, nearly all his works have serious flaws of structure of inconsistencies, of excesses and redundancies and extrancities.

P.T.O.

2. अर्द्ध सरकारी पत्र-लेखन के वैशिष्ट्य को में ...रण स्पष्ट कीजिए । (10)

अथवा

तार भेजते समय किन-किन प्रमुख तथ्यों को ध्यान में रखना आवश्यक है ? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए ।

3. निम्नलिखित अवतरण का सार **एक-तिहाई** शब्दों में लिखिए : (10)

आनन्द की उपासना करना और उल्लास से जीवन को भर लेना ही मनुष्य का स्वभाव है । उत्सव हमारे लिए उत्तम कोटि का मनोरंजन प्रदान करता है । आधुनिक मनोरंजन के साधन हमारे सतही मन का मनोरंजन भर कर पाते हैं जबकि उत्सवों का सम्बन्ध हमारी आस्था से जुड़ा हुआ है । उत्सव हमारे मन को ही नहीं हमारी आत्मा तक को झंकृत कर देते हैं, हमारे संस्कारों को माजते हैं और हमें एक उन्नत मनुष्य बनाते हैं । हमारे उत्सव हमारी संस्कृति से जुड़े हुए हैं । अनेक उत्सव ऐसे हैं, जिनका आध्यात्मिक महत्त्व है । दीपकोत्सव क्या है ? वास्तव में अन्धकार पर प्रकाश की विजय का प्रतीक, अज्ञान पर ज्ञान की विजय का प्रतीक । एक

54

ऋषिगण प्रार्थना करते हैं और दूसरी तरफ वे दीपकोत्सव मनाते हैं । इन उत्सवों के मर्म को जानने वाला जीवन का मर्म जान लेगा, यही सोचकर सम्भवत: प्राचीन भारतवासियों ने नाना प्रकार के उत्सवों का प्रवर्तन किया । ऐसे गम्भीर और महत्त्वपूर्ण उत्सवों से कटने की नहीं जुड़ने की आवश्यकता है ।

4. (अ) सरल हिन्दी में व्याख्या कीजिए :

ना गुर मिल्या न सिष भया, लालच खेल्या डाव ।
दुन्यूं बूड़े धार में, चढ़ि पाथर की नाव ॥
चौसठि दीवा जोइ करि, चौदह चन्दा माहिं ।
तिहिं घरि किसकौ चाणिनौ जिहि घरि गोविन्द नाहिं ॥

(९)

अथवा

खेती न किसान को, भिखानी को न भीख, बलि
बनिक को बनिज, न चाकर को चाकरी ।
जीविका-विहीन लोग सीद्यमान सोच बस
कहैं एक एकन सों "कहाँ जाईं का करीं" ।
वेदहू पुरानकही, लोकहूँ विलोकियत
सांकरे सबै पै, राम ! रावरे कृपा करी ।
दारीद-दसानन दबाई दुनी, दीनबन्धु !
दुरितदहन देखि तुलसी हहाकरी ॥

(ब) रूप का आकर्षण तो उन पर कोई असर नहीं कर सकता था । यह गुण का आकर्षण था। वह यह जानते थे जिसे सच्चा प्रेम कह सकते हैं, केवल एक बन्धन में बँध जाने के बाद ही पैदा हो सकता है । इससे पहले जो प्रेम होता है, वह तो रूप के प्रति आसक्तिमात्र है, जिसका कोई टिकाव नहीं; मगर इसके पहले यह निश्चय तो कर लेना ही था कि जो पत्थर साहचर्य के खराद पर चढ़ेगा, उसमें खरादे जाने की क्षमता है भी या नहीं । सभी पत्थर तो खराद पर चढ़कर सुन्दर मूर्तियाँ नहीं बन जाते । (5)

अथवा

सम्राटों की अतीत जीवनलीला के ध्वस्त रंगमंच वैषम्य की एक विशेष भावना जगाते हैं । उनमें जिस प्रकार भाग्य के ऊँचे से ऊँचे उत्थान का दृश्य निहित रहता है वैसे ही गहरे पतन का भी । जो जितने ही ऊँचे पर चढ़ा दिखाई देता है, गिरने पर वह उतना ही नीचे जाता दिखाई देता है । दर्शकों को उसके

55

उत्थान की ऊँचाई जितनी कुतूहलपूर्ण व विस्मयकारिणी होती है, उतनी ही उसके पतन की गहराई मार्मिक व आकर्षक होती है । असामान्य की ओर लोगों की दृष्टि भी अधिक दौड़ती व टकटकी भी अधिक लगती है । अत्यन्त ऊँचाई से गिरने का दृश्य कोई कुतूहल के साथ देखता है, कोई गम्भीर वेदना के साथ । कहने की आवश्यकता नहीं कि सुख व दु:ख के बीच का वैषम्य जैसा मार्मिक होता है, वैसा ही उन्नति व अवनति, विकास व ह्रास के बीच का भी ।

5. निम्नलिखित कहावतों/मुहावरों का अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग कीजिए : (5)

(i) रंगा सियार होना

(ii) उल्टे बाँस बरेली को

(iii) गंगा गये गंगादास जमुना गये जमुनादास

(iv) जूतियाँ चटकाते फिरना

(v) दाना पानी उठना ।

6. निम्नलिखित शब्दों को शुद्ध करके लिखिए : (5)

(i) वातानुकुलित

(ii) वादाविवाद

(iii) पुनरावलोकन

(iv) प्रस्तुतिकरण

(v) ज्योतसना

(vi) शताब्दि

(vii) अनुगृह

(viii) पूज्यनीय

(ix) निरस

(x) उज्वल ।

7. निम्नलिखित युग्मों में दिये हुए शब्दों का अपने बनाये वाक्यों में इस प्रकार प्रयोग कीजिए कि दोनों का पारस्परिक अन्तर यथासम्भव स्पष्ट हो जाये : (5)

(i) राज भाषा : राष्ट्र भाषा

(ii) दूषण : प्रदूषण

(iii) शंकर : संकर

(iv) आवेदन : प्रतिवेदन

(v) मुख : आमुख ।

8. निम्नलिखित शब्दों के विपरीतार्थक (विलोम) शब्द लिखिए : **(5)**

(i) व्यष्टि

(ii) मूक

(iii) उत्थान

(iv) वादी

(v) कीर्ति

(vi) भूषण

(vii) संगठित

(viii) औपचारिक

(ix) औरस

(x) उग्र ।

9. (अ) निम्नलिखित वाक्यांशों के लिए **एक-एक** शब्द लिखिए : **(2·5)**

(i) जिसे बुलाया न गया हो ।

(ii) जो व्यक्ति अधिक बोलता हो ।

(iii) जो कुछ न जानता हो ।

(iv) अच्छे कुल में जन्म लेने वाला ।

(v) जो युद्ध में स्थिर रहता है ।

(ब) 'कारक' क्या होते है ? कारक के भेद बताइए । **(2·5)**

10. निम्नलिखित में से किसी **एक** विषय पर हिन्दी में निबन्ध लिखिए : (30)

(i) भारत में लोकतंत्र का भविष्य

(ii) सत्ता, समाज और साहित्य का सम्बन्ध

(iii) नारीस्वातन्त्र्य : उच्छृंखलता या प्रगतिशीलता

(iv) हम हिन्दी दिवस कब तक मनाएँगे ?

(v) वर्तमान शिक्षा : दशा एवं दिशा ।